



मल्टीनेशनल कंपनीज और एमसीएक्स की अटकलों से भारतीय टेक्सटाइल इंडस्ट्री खासे नुकसान में है। कॉटन की उपलब्धता बहुत कम है और कीमतें बहुत ज्यादा है। साथ ही अंतराष्ट्रीय बाजार और भारतीय बाजारों में यार्न की कीमतों में आई असामनता से भी मिल्स को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। गुजरात स्पिनर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट सौरीन पारिख ने SIS से बातचीत के दौरान यह जानकारी दी।

# MCX

## गुजरात स्पिनिंग एसोसिएशन ने की एमसीएक्स को बैन करने की मांग

### इंडस्ट्री की जड़ों को खोखला कर रहा एमसीएक्स

उन्होंने बताया कि वर्तमान में स्पिनिंग मिल्स के लिए सबसे बड़ी समस्या यह है कि हमारी मिल्स को एमसीएक्स की दर पर भारतीय कपास खरीदना पड़ रहा है और यार्न का निर्यात आईसीई वायदा बाजार की कीमतों के अनुसार करना पड़ रहा है। झूठी जानकारी और अटकलों के आधार पर चल रहा एमसीएक्स वायदा बाजार भारतीय कपड़ा उद्योग की जड़ों को खोखला कर रहा है।

### उचित हैचिंग टूल की तरह होना चाहिए इस्तेमाल

सौरीनजी ने कहा कि हमने सरकार को एमसीएक्स के खिलाफ कार्यवाही करने के लिए पत्र लिखा है। जिसमें एमसीएक्स को भारत में बैन करने की मांग की है। हमारी मांग है कि या तो एमसीएक्स पर कुछ समय के लिए रोक लगाई जाए या कुछ ऐसे नियम और कानून बनाए जाए कि एमसीएक्स सट्टा बाजार से हटकर एक उचित हैचिंग टूल के तौर पर उपयोग किया जा सके।

### गोदाम में केवल 3 हजार गांठ मौजूद

जानकारी के लिए बता दें कि एमसीएक्स वायदा बाजार में अगस्त और नवंबर महीने के भाव में 30 हजार रुपए का भारी अंतर है। एमसीएक्स वायदा बाजार में अगस्त महीने का कॉन्टैक्ट केवल 30 हजार गांठ का है जबकि इसके गोदाम के महज 3 हजार गांठ मौजूद है।

### 60 प्रतिशत क्षमता पर काम करने को मजबूर डेनिम उद्योग

वहीं दूसरी ओर कपास की अस्थिर कीमतों और उच्च मुद्रास्फीति ने गुजरात के डेनिम उद्योग को ऐसे समय में 60 प्रतिशत क्षमता पर काम करने के लिए मजबूर किया है, जब वह आगामी त्योहारी सीजन में घाटे की भरपाई की उम्मीद कर रहा था। गुजरात में लगभग 25 डेनिम निर्माण मिलें हैं, जिनकी संयुक्त स्थापित क्षमता 1 बिलियन मीटर प्रति वर्ष से अधिक है, जो भारत की कुल 1.6 बिलियन मीटर प्रति वर्ष स्थापित डेनिम क्षमता का 60 प्रतिशत से अधिक है।

हमें उम्मीद है कि 10 सितंबर के बाद से नई फसल की आवक शुरू होगी और तब कपास और यार्न के भावों में कुछ स्थिरता भी आएगी। 15 अक्टूबर के बाद से मार्केट में कपास की अच्छी उपलब्धता रहेगी।

**- सौरीन पारिख, प्रेसिडेंट गुजरात स्पिनर्स एसोसिएशन**

### जानिए टेक्सटाइल निवेशकों के लिए कैसा रहा यह सप्ताह

#### 15 अगस्त से 20 अगस्त के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर रिपोर्ट पर एक नजर

इस सप्ताह लगभग सभी प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज के शेयर्स का मार्केट कैप पॉजीटिव रहा। नतीजतन, पिछले सप्ताह के मुकाबले इस सप्ताह शेयर्स के प्राइज में भी बढ़ोतरी हुई। इस कारण पुराने निवेशकों ने जहां राहत की सांस ली वहीं नए निवेशकों ने कुछ दिन रुककर निवेश करने में ही अपनी बेहतरी समझी। आइए जानते हैं बीएससी के मंच पर कैसी रही प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की परफॉर्मेंस -

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	334.1	342.8	310.45	7.08%
अरविद लिमिटेड	99.4	103.5	95.1	3.22%
वेलसपन इंडिया	78.1	82.4	74.6	4.69%
नितिन स्पिनर्स	214.6	223.5	198.2	6.21%
रेमण्ड	972.55	1022.25	934.6	3.86%
अक्षिता कॉटन लिमिटेड	319.55	330.35	290.65	7.70%



# NEWSLETTER

NORTH :

CENTRAL :

SOUTH :

(WEATHER REPORT)

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates.

[CLICK HERE](#)

20/08/2022



**MAHACOT**  
All India Cotton Trade Meet 2022

17-18 August 2022  
Jain Hills - Jalgaon

Media Partner

## दुनिया में सबसे महंगा हुआ इंडियन कॉटन

कॉटन के रेट पूरी दुनिया में बढ़ रहे हैं। हालांकि जुलाई में कॉटन के भाव में कुछ कमी नजर आई थी लेकिन अगस्त में यह दोगुनी तेजी से बढ़े हैं। बढ़ोतरी के इन आंकड़ों पर नजर करें तो पता चलता है कि वर्तमान में पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा भाव इंडियन कॉटन के ही है। इंडियन फिजिकल कॉटन मार्केट में शंकर 6 के भाव 99 हजार प्रति कैंडी है और एमसीएक्स पर अगस्त के स्पॉट रेट 99,866 है। जबकि चाइना में कॉटन के भाव सबसे कम है। वर्तमान में चाइना कॉटन के सितंबर के स्पॉट रेट 64,466 रूपए प्रति कैंडी है। देखिए अलग-अलग देशों में क्या है कॉटन के वर्तमान भाव-

RATES IN INDIAN CANDY



## जानिए कॉटन के लिए कैसा रहा ये सप्ताह

SMART INFO SERVICES			
CALL : 91119 77771 - 5			
WEEKLY CHART 20.08.2022			
<b>ICE COTTON</b>			
MONTH	12.08.2022	19.08.2022	WEEKLY CHANGE
DEC	108.59	116.01	7.42
MARCH	105.64	112.84	7.2
MAY	103.87	109.89	6.02
<b>MCX (BALES)</b>			
MONTH	12.08.2022	19.08.2022	WEEKLY CHANGE
AUG	48640	50300	1660
OCT	39810	40400	590
NOV	35130	36650	1520
<b>NCDEX (KAPAS)</b>			
MONTH	12.08.2022	19.08.2022	WEEKLY CHANGE
APRIL	1739.5	1761	21.5
<b>NCDEX (COCUD KHAL)</b>			
MONTH	12.08.2022	19.08.2022	WEEKLY CHANGE
AUG	2631	2685	54
SEP	2790	2733	-57
DEC	2508	2445	-63
<b>CURRENCY (\$)</b>			
CURRENCY	12.08.2022	19.08.2022	WEEKLY CHANGE
INDIAN (Rupee)	79.66	79.91	0.25
PAK (Pakistani Rupee)	218.92	214.919	-4.001
CNY (Chinese yuan)	6.74289	6.81728	0.07439
BRAZIL (Real)	5.07901	5.16992	0.09091
AUSTRALIAN Dollar	1.40292	1.45455	0.05163
MALAYSIAN RINGGITS	4.44414	4.476	0.03186
<b>COTLOOK "A" INDEX</b>			
COTLOOK "A" INDEX	122.75	131	8.25
<b>BRAZIL COTTON INDEX</b>			
BRAZIL COTTON INDEX	120.06	125.43	5.37
<b>USDA SPOT RATE</b>			
USDA SPOT RATE	118.8	124.11	5.31
<b>MCX SPOT RATE</b>			
MCX SPOT RATE	45690	47740	2050
<b>KCA SPOT RATE (PAKISTAN)</b>			
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17500	20500	3000

पिछले सप्ताह की तरह इस सप्ताह भी कॉटन के भाव में तेजी जारी रही। इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज में दिसंबर, मार्च और मई तीनों ही महीने के वायदा सौदे के भाव में लगभग 6 से 7.4 अंक की बढ़ोतरी देखने को मिली। एमसीएक्स की बात करें तो अगस्त महीने के लिए सप्ताह की शुरुआत में कॉटन के भाव 48640 रूपए प्रति बेल थे जो सप्ताहअंत में 1660 रूपए बढ़कर 50300 रूपए हो गए। इसी तरह अक्टूबर और नवंबर महीने के भाव में क्रमशः 590 और 1520 रूपए की बढ़त देखने को मिली। इसके अलावा एनसीडीएक्स पर अप्रैल महीने के लिए कपास के भाव में 21.5 रूपए का इजाफा हुआ।

एमसीएक्स के अलावा इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज जैसे कॉटलुक ए इंडेक्स, ब्राजील कॉटन इंडेक्स, यूएसडीए स्पॉट रेट, एमसीएक्स स्पॉट रेट और केसीए स्पॉट रेट पर भी इस सप्ताह कॉटन के भाव में बढ़ोतरी देखने को मिली।

करंसी के रेट में भी इस सप्ताह काफी फेरबदल देखने को मिला। केवल पाकिस्तानी रूपये ने डॉलर के खिलाफ मजबूती हासिल की। सप्ताह की शुरुआत में 1 डॉलर की कीमत 218.92 पाकिस्तानी रूपए थी जो सप्ताहअंत में लगभग 4 रूपये घटकर 214.919 हो गई। इसके अलावा भारतीय रूपया, चाइनीज युआन, ब्राजीलियन रियल, आस्टेलियन डॉलर और मलेशियन रिंगिंगट सभी के खिलाफ डॉलर ने हल्की बढ़त हासिल की। जबकि गोल्ड, सिल्वर और क्रूड ऑयल के भाव में सप्ताह में कमी दर्ज की गई।